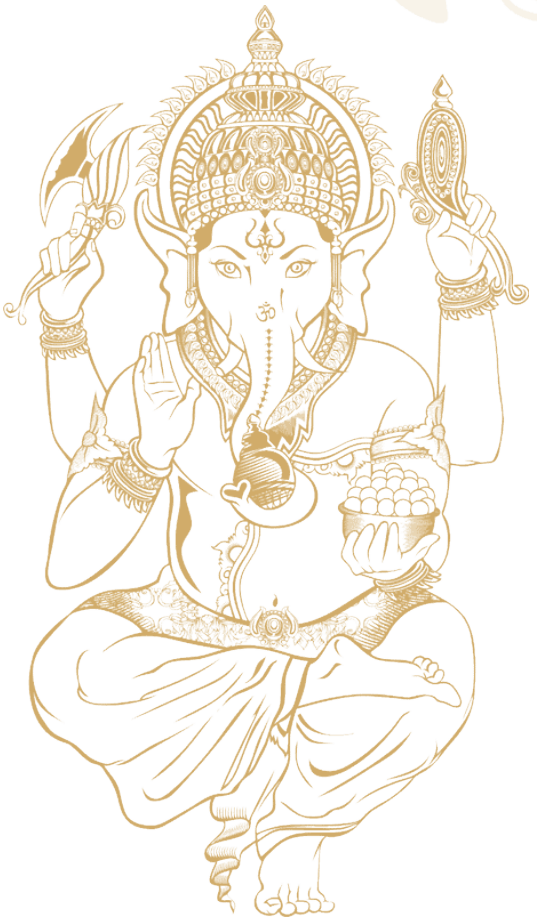

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119087107

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
9-10/08/1996	जन्म तिथि	7-08/05/2003
शुक्र-शनिवार	दिन	बुध-गुरुवार
घंटे 04:20:00	जन्म समय	01:30:00 घंटे
घटी 56:22:19	जन्म समय(घटी)	49:44:12 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:47:04	सूर्योदय	05:36:19
19:05:36	सूर्यास्त	18:59:34
23:48:39	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:58

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 0वर्ष 3मा 11दि		04:19:08	कर्क	लग्न	मक	28:18:32	गुरु 0वर्ष 4मा 3दि	
गुरु		23:47:13	कर्क	सूर्य	मेष	22:56:59	बुध	
21/11/2014		06:07:41	मिथु	चंद्र	कर्क	03:02:48	10/09/2022	
21/11/2030		16:18:42	मिथु	मंगल	मक	15:26:31	10/09/2039	
गुरु	09/01/2017	18:33:43	सिंह	बुध व	मेष	22:06:40	बुध	06/02/2025
शनि	23/07/2019	14:57:03	धनु व	गुरु	कर्क	15:52:11	केतु	03/02/2026
बुध	28/10/2021	08:29:31	मिथु	शुक्र	मीन	25:38:55	शुक्र	04/12/2028
केतु	04/10/2022	13:11:02	मीन व	शनि	मिथु	02:51:02	सूर्य	10/10/2029
शुक्र	04/06/2025	15:40:26	कन्या व	राहु	वृष	05:36:41	चन्द्र	12/03/2031
सूर्य	23/03/2026	15:40:26	मीन व	केतु	वृश्चि	05:36:41	मंगल	08/03/2032
चन्द्र	23/07/2027	08:10:44	मक व	हर्ष	कुंभ	08:32:44	राहु	25/09/2034
मंगल	28/06/2028	01:58:15	मक व	नेप	मक	19:16:07	गुरु	31/12/2036
राहु	21/11/2030	06:31:23	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	25:31:29	शनि	10/09/2039

लग्न-चलित

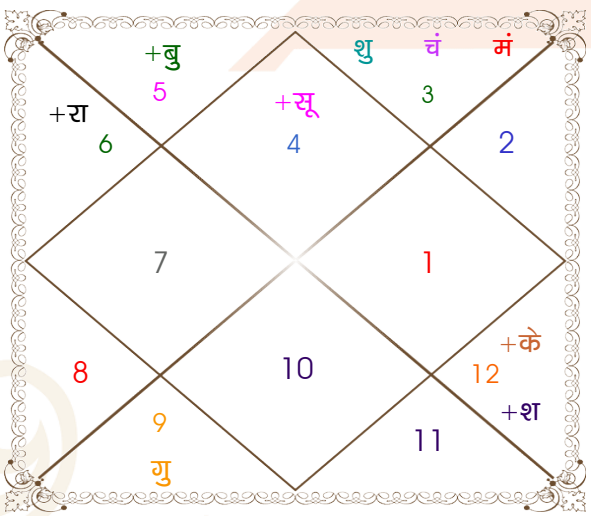

लग्न-चलित

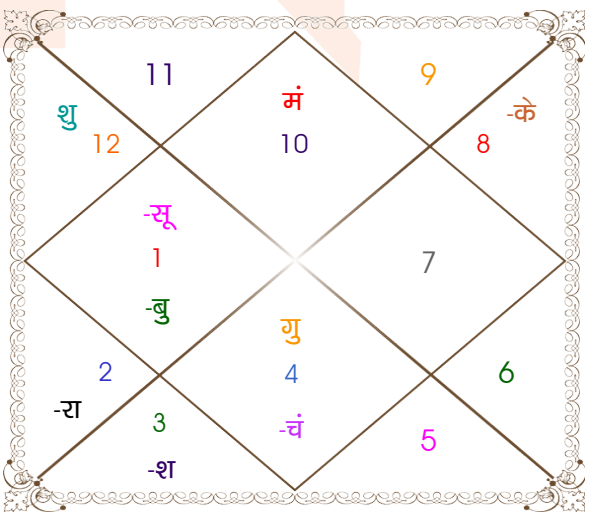

Neeraj bhatt
Astrology
9557644271
bhattnitish676@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	चन्द्र	5	1.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	कर्क	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. का वर्ग मार्जार है तथा Ms. का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में द्वादश भाव में मिथुन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Mr. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में कर्क राशि तथा लग्न में मकर राशि का मंगल हो तब मंगली दोष समापत समझना चाहिए।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में प्रथम भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms. कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।